पढ़ाई के बाद जॉब करने के बजाय जॉब प्रोवाइडर बनना है : डॉ मनमोहन सिंह

■ राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम को कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के कुलपति डॉ मनमोहन सिंह चौहान ने सबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन विद्या मंडप सभागार में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के कुलपति डॉ मनमोहन सिंह चौहान व आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ बिजेन्द्र सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की।

मुख्य अतिथि आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि विद्यार्थी अपने क्षेत्र के लोगों का गुट बना लेते हैं। जबकि विद्यार्थियों को अलग-अलग जगह से आये विद्यार्थियों से सीखना चाहिए। अपनी सराउंडिंग बढ़ानी चाहिए। जितने ज्यादा लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे जीवन में उतने ही सफल होंगे। उन्होंने कहा कि कई बार विद्यार्थी अपनी समस्या खुलकर नहीं बता पाता। अंदर ही अंदर घुटने की बजाय समस्या को अपने दोस्तों, शिक्षक या माता पिता के साथ शेयर करनी चाहिए। हर समस्या का समाधान निकल सकता है।

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के कुलपति डॉ मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि हमें यहां से पढ़कर निकलने के बाद जॉब करने के बजाय जॉब प्रोवाइडर बनना है। उनको जॉब दें जिन्हें पढ़ने का मौका नहीं मिला। विश्वविद्यालय में आने का मौका नहीं मिला। इंटरप्रन्योर बनें। आप सब देश का भविष्य हैं। वर्ष 2047 आपकी तरफ देख रहा है। आप सब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समेत अन्य तकनीकों का उपयोग कर अच्छे साइंटिस्ट बनें। खुद को प्रोत्साहित रखें, स्मार्ट बनें, कम्युनिकेशन स्किल अच्छी रखें। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि हमारे लिए सभी विद्यार्थी एकलव्य हैं। सभी डायमंड बनें। लाइफ में गोल फिक्स करें और उसे हासिल करें और देश के नवनिर्माण में अपना योगदान दें। जीवन में सफलता का मंत्र ही टाइम मैनेजमेंट है।

उन्होंने बताया कि हॉस्टल्स में खाने की क्वालिटी को बहुत बेहतर किया गया है। साथ ही विद्यार्थियों को पढ़ने और खेलने को लेकर बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जीवन में टाइम मैनेजमेंट सबसे महत्वपूर्ण है। ईश्वर सभी को दिन में 24 घंटे देता है। लेकिन इसका मैनेजमेंट बेहतरीन तरीके से कौन करता है। सफलता उसी में छिपी है। समय का भरपूर उपयोग करें। यह समय फिर नहीं आयेगा, डोंट वेस्ट योर टाइम इत्यादि शब्दों को हमेशा अपने जेहन में रखें। साथ ही सुझाव दिया कि सप्ताह में एक दिन मेस-डे भी हो ताकि विवि के अधिकारी, शिक्षक भी बच्चों के साथ मेस में खाना खाकर उसकी क्वालिटी चैक कर सकें।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी. के. यादव ने देते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए एसकेआरएयू की उपलब्धियों के बारे में बताया। साथ ही कहा कि दो सप्ताह तक चलने वाले दीक्षारंभ कार्यक्रम में स्टूडेंट्स को विश्वविद्यालय के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की डॉ नीना सरीन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रधान वैज्ञानिक मौजूद थे।

धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। फर्जी दस्तावेजों से धोखाधड़ी करने के मामले में जंक्शन थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण में अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने के लिए जांच जारी है। इस संबंध में कंस्ट्रक्शन कंपनी के भागीदार दंपती के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था।

जांच अधिकारी एसआई गजेन्द्र शर्मा ने बताया कि 8 नवम्बर को पुलिस अधीक्षक के आदेश पर दर्ज हुए मुकदमे में ध्रुव रणवां पुत्र महावीर सिंह जाट निवासी न्यू सिविल लाइन, जंक्शन ने बताया कि उसकी आरएनसी बुडकॉन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, जो निर्माण आदि का कार्य संविदा पर करती है। पीडब्लयूडी हिसार की ओर से खेरेकां से ओटू रोड बनाने के संबंध में फर्म निर्मल सिंह कॉन्ट्रेक्टर व मैसर्स एसडीएनआर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (जेवी) को कार्य आवंटन किया गया था।

बीआरओ की ओर से वैरिफिकेशन में भेजने पर 16 जनवरी 2023 को ई-मेल के जरिए स्पष्ट हुआ कि अनमोल कंस्ट्रक्शन कम्पनी के पार्टनरों कृष्ण जाट पुत्र बनवारी लाल व सुनीता रेवाड़ पत्नी कृष्ण कुमार जाट निवासी न्यू सिविल लाइन, जंक्शन की ओर से जो कार्य अनुभव के संबंध में प्रमाण पत्र पेश किया गया था, वह पीडब्लयूडी ऑफिस की ओर से जारी ही नहीं किया गया। वह एक फर्जी व कूटरचित दस्तावेज है।

सार-समाचार

मोतीगढ़ स्कूल का निरीक्षण किया

एडीओ सुनील बोडा ने राउमावि मोतीगढ़ का औचक निरीक्षण किया।

बीकानेर, (कासं)। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) बीकानेर सुनील बोड़ा ने गुरुवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोतीगढ़ का औचक निरीक्षण किया। शाला के कार्यक्रम अधिकारी मोहर सिंह सलावद ने बताया कि इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी बोड़ा ने शिक्षकों की बैठक लेकर सभी से विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाने व बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हेतु कार्य योजना बनाकर अध्यापन करवाने के लिए निर्देश दिए। बोड़ा ने सभी कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों की उपस्थिति जांचकर उनसे प्रश्न भी पूछे गए जिसके बाद अध्यापन का स्तर संतोषप्रद बताया। साथ ही कहा कि विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाई जाएं व सरकारी योजनाओं से बच्चों को अधिक से अधिक संख्या में लाभांवित करवाएं। आईसीटी लैब के निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर प्राचार्य सीमा मैथिल व उप प्राचार्य हरिकिशन मेघवाल शाला में आयोजित होने वाली गतिविधियों से अवगत करवाया। इस अवसर पर व्याख्याता विनोद कुमार, रचना सारण, पीटीआई भजन लाल सहित सभी स्टाफ उपस्थित रहा।

चिकित्सा शिविर में 46 का उपचार

बम्बलू में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करते आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी।

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा यूनिवर्सिटी-सोशल रिस्पोंसिबिलिटी के तहत गोद लिए गांव बम्बलू में गुरूवार को आयुर्वेद विभाग बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। आयुर्वेद विभाग, बीकानेर के चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र सिंगारिया के निर्देशन में शिविर का आयोजन किया। शिविर में 46 ग्रामवासियों का उपचार किया गया एवं आवश्यकता अनुसार आयुर्वेदिक दवाईयों का वितरण भी किया गया और मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु सुझाव दिए गए। इस शिविर में ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। शिविर के प्रभारी डॉ. सिंगारिया ने ग्रामवासियों को प्रमुख मौसमी बीमारियों जैसे डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया इत्यादि के बचाव एवं उपचार के बारे में जागरूक किया। चिकित्सा शिविर का प्रबंधन डॉ. मैना कुमारी, समन्वयक यूनिवर्सिटी सोशल सिस्पोंसिबिलिटी, राजुवास, बीकानेर के द्वारा किया। इस शिविर के आयोजन में डॉ. विनय कुमार, डॉ. सनी पंकज, डॉ. विश्वास, डॉ. जगदीश, ग्राम सरपंच सुमित्रा देवी, हेतराम कूंकणा, ग्राम विकास अधिकारी राजाराम चौधरी, शिक्षक प्रताप सिंह, भागीरथ कूंकणा, जैठाराम कूंकणा, लक्ष्मणराम कूंकणा, तौलाराम नाई आदि ग्रामवासियों का सहयोग रहा।

नाल दादाबाड़ी में किया दर्शन वंदन

बीकानेर, (कासं)। जैन श्वेताम्बर संघ के जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरीश्वर महाराज अपने सहवृति मुनियों के साथ गुरूवार को पैदल विहार करते हुए नाल गांव में स्थित दादा जिन कुशल सूरी की दादाबाड़ी पहुंचे। उन्होंने मुनिवृंद के साथ दादा गुरुदेव के मंदिर में दर्शन वंदन तथा जाप किया। जैन श्वेताम्बर ओसवाल श्री खरतरगच्छ श्रीसंघ ट्रस्ट के अध्यक्ष रतन लाल नाहटा ने बताया कि रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे से बीकानेर की साध्वीश्री प्रभंजना महाराज आदि ठाणा शुक्रवार सुबह को नाल गांव जायेगा। नाल गांव में मुनि सुव्रत स्वामी के प्राचीन मंदिर में 23 से 26 नवम्बर तक प्रतिष्ठा महामहोत्सव आयोजित किया जायेगा। इसकी तैयारियां परवान पर है। धर्म चर्चा में जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरिश्वर महाराज ने बताया कि बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत स्वामी वर्ण काला व प्रतीक चिन्ह कछुआ होने से समूचे हिंदुस्तान में उनके मंदिरों में सभी प्रतिमाएं काले कसौटी या अन्य काले पत्थर के संगमरमर की बनी हुई है। उन्होंने बताया कि देवात्मा के रूप में जीवन पूरा करने के के बाद राजा शूरश्रेष्ठ की आत्मा ने राजगृही नगरी में राजा सुमित्र व रानी पद्मावती के यहां तीर्थंकर के रूप में जन्म लिया। विवाह के बाद राजकुमार मुनिसुव्रत कुछ समय तक युवराज के पद पर रहे, तत्पश्चात उन्होंने दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा के 11 माह बाद उन्हें केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई। बीकानेर के मुनि सम्यक रतन सागर महाराज ने जैनाचार्य के विषय का विस्तृत वर्णन करते हुए धर्म चर्चा में बताया।

पॉल्यूशन बोर्ड ने पी.ओ.पी. की फैक्ट्रियों में भट्टियां देखी

■ दल बुधवार सुबह फिर से खारा पहुंचा तब तक मिनरल जोन के रास्तों में जमा गर्द धूल को पानी छिड़क कर दबाया चुका था

बीकानेर,(कासं)। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की टीम ने खारा औद्योगिक क्षेत्र में गांव के पास मिनरल जोन का जायजा लिया। हालांकि उनके पहुंचने से पहले ही पीओपी की सभी 40 फैक्ट्रियों को रात ही बंद कर दिया गया था। पूरे जोन में रास्तों पर पानी का छिड़काव कर धूल को दबा दिया गया।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के चीफ इंजीनियर प्रेमालाल और दो वैज्ञानिकों का दल मंगलवार देर रात अचानक खारा पहुंचा। उनके आने की सूचना इंडस्ट्रीज मालिकों को लगने के कारण फैक्ट्रियों को बंद करवा दिया गया था। इसलिए मिनरल जोन में वे फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुएं से प्रदूषण के हालात नहीं देख सके। यह दल बुधवार सुबह फिर से खारा पहुंचा। तब तक मिनरल जोन के रास्तों में जमा धूल को पानी छिड़कर दबाया चुका था।

धूल, गर्द को ढंकने के लिए फैक्ट्रियों की भट्टियों की चिमनियों पर भी पानी का छिड़काव किया गया है। उन्होंने एक फैक्ट्री पर लगी गैस भट्टी को देखा। फैक्ट्री से निकलने वाले धुएं को कम करने, पर्टिकुलेट मैटर को चिमनी में ही खत्म करने के मुद्दों पर फैक्ट्री मालिकों से चर्चा की। प्रोडक्शन की कार्यप्रणाली को समझा। गैस भट्टी के लिए एक साथ 30 कमर्शियल सिलेंडर लगाए गए हैं। इनके लगातार 9-10 घंटे चलने पर 30 टन के प्रोडक्शन का अनुमान लगाया गया है।

हालांकि यह काफी महंगा पड़ेगा। पर फैक्ट्री मालिकों का दावा है कि इससे प्रदूषण काफी कम हो जायेगा। दल में अधीक्षक वैज्ञानिक अधिकारी मनोज मीणा और वैज्ञानिक अधिकारी महेश मालव ने सभी तकनीकी पहलुओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रदूषण कम करने के लिए कई तरह के उपायों पर भी चर्चा की।

प्रदूषण को कम करने से संबंधित जरूरी हिदायतें भी दीं। खारा उद्योग संघ के अध्यक्ष परविंद्र सिंह सहित कई उद्यमी इस दौरान मौजूद थे।

ग्रामीणों ने कहा कि सरसों की पल्लर सस्ती पड़ती है, इसलिए सभी फैक्ट्रियों में भट्टियां इसी से चल रही हैं और प्रदूषण फैलने का कारण भी यही है। उन्होंने पल्लर के उपयोग पर पाबंदी लगाने की मांग बोर्ड से की है। गौरतलब है कि खारा गांव में वायु प्रदूषण के कारण बच्चे और बुजुर्ग अस्थमा से पीड़ित हो रहे हैं। यह मामला उजागर होने के बाद प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की टीम हालात का जायजा लेने आई है। खारा के राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल में मीटिंग हुई। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के चीफ इंजीनियर प्रेमालाल, क्षेत्रीय अधिकारी राजकुमार मीणा ने प्रिंसिपल सुमनलता सेठी से बच्चों को हो रही समस्याओं की जानकारी लिखित ली। उन्होंने बताया कि स्कूल में धूल की गर्द बिखरी रहती है।

इरफान कुरैशी को पी.एच.डी. की उपाधि

बीकानेर, (कासं)। इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थी इरफान कुरैशी को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की।

इरफान कुरैशी ने ईसीबी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ विकास शर्मा के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूरा किया। डॉ इरफान ने 'परमानेंट मेगनेट सिन्क्रोनस मोटर का एनालिसिस और कंट्रोल टेक्निक' विषय पर अपना शोध कार्य पूरा किया। कई अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं ने इस शोध को मान्यता देते हुए अपने संस्करण में छापा है। बीटीयू के कुलपति प्रो. अजय कुमार शर्मा और ईसीबी प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश जाखड़ ने शोधार्थी को बधाई दी।

डॉ इरफान ने अपने रिसर्च में ऐसा कंट्रोलर तैयार किया है जो इलेक्ट्रिकल व्हीकल मे गति और टोर्क को बेहतर करता है। परमानेंट मेगनेट सिन्क्रोनस मोटर में गति ओर टोर्क में उच्च गति जो उसकी नियत सीमा से ज्यादा हो उसमे भी टोर्क मे इंप्रूवमेंट किया है।

नाल के जिनालय में प्रतिष्ठा महोत्सव 23 से

■ गपाक से लाये थे मुनि सुव्रत की कसौटी पत्थर से बनी प्रतिमा

बीकानेर, (कासं)। यहां नाल गांव में मुनि सुव्रत स्वामी के प्राचीन मंदिर में 23 से 26 नवम्बर तक प्रतिष्ठा महा महोत्सव होगा। इस मंदिर में मुनि सुव्रत स्वामी की काले कसौटी के पत्थर से बनी मूर्ति है, जो पाकिस्तान से लाई गई थी। इस मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने के लिए जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के जैनाचार्य पीयूष सागर महाराज साधु संतों और साध्वियों के साथ सुबह करीब पांच बजे ढढ्ढा चौक के कोठारी भवन और सुगनजी महाराज के उपासरे से नाल के लिए विहार किया।

जैन श्वेताम्बर ओसवाल श्री खरतरगच्छ श्रीसंघ ट्रस्ट के अध्यक्ष रतनलाल नाहटा ने बताया कि नाल में दादाबाड़ी के पास स्थित भगवान मुनि सुव्रत स्वामी के शिखरबंद जिनालय का जीर्णोद्धार कार्य धरमपुर गुजरात के श्रीमदराजचंद्र मिशन के संस्थापक गुरुदेव राकेश भाई जवेरी की प्रेरणा और सहयोग से श्रावक पुरखचंद, धनराज, दीपचंद डागा, वीरमती देवी डागा परिवार के बीकानेर निवासी मुंबई प्रवासी अभय डागा-साधना देवी, आदित्य और युवराज डागा परिवार ने करवाया है। मुंबई प्रवासी बीकानेर निवासी अभय डागा ने बताया कि तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत स्वामी के मंदिर में 23 से 26 नवम्बर तक प्रतिष्ठा महोत्सव होगा। प्रतिष्ठा के विशिष्ट सहयोगी मुंबई आर सूरत प्रवासी बीकानेर निवासी नवरतन, पवन पारख, उद्योगपति गणेश बोथरा और मनोज सेठिया है। जैनाचार्य जिन पीयूष सागर के सानिध्य में नूतन मंदिर में मूलनायक परमात्मा की प्रतिमा को 7 जुलाई 2024 स्थापित किया गया।

अब मूलनायक प्रतिमा के साथ दो अन्य तीर्थंकर परमात्मा, दादा गुरुदेव जिनदत्त सूरि, देवचन्द्र महाराज आदि की पांच प्रतिमाएं स्थापित की गई है। श्रावक-श्राविकाओं के लिए वाहन की व्यवस्था भी बीकानेर से मालेगांव तक प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने के लिए भांडाशाह जैन मंदिर के पास से होगी।

किसानों ने नहर में पानी की चोरी पकड़ी

अनूपगढ़, (कासं)। रायसिंहनगर थाना क्षेत्र में गुरूवार सुबह किसानों ने पानी चोरी पकड़ी।

मौके पर नहर किनारे एक ट्रैक्टर खड़ा था। वहां एक चारपाई पर एक व्यक्ति भी बैठा था जो किसानों को देखकर मौके से फरार हो गया। किसानों ने इस संबंध में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला भी दर्ज करवाया है। गंगनहर के प्रोजेक्ट चेयरमैन हरविंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें गुरूवार अलसुबह करीब 4 बजे समेजा नहर की भोमपुरा माइनर पर 38 एनपी मोघे के पास 6 इंच पाइप से पानी चोरी होने की जानकारी मिली।

मौके पर पहुंचे तो पानी चोरी करने के लिए पाइप लगा मिला। हरविंद्र सिंह ने बताया कि इस इलाके में टेल के किसान नहर में पानी नहीं मिल पाने की समस्या से परेशान हैं। ऐसे में किसान नहर पर नजर रखते हैं। गुरूवार को भी वे अलसुबह नहर के हालात देखने निकले तो समेजा नहर की भोमपुरा माइनर पर 38 एनपी मोघे के पास 6 इंच पाइप लगी मिली।

यहां से पानी खेत की ओर धकेलने के लिए कुछ अन्य सामान भी रखा हुआ था। किसानों के आने की जानकारी मिलते ही मौके पर बैठा एक किसान वहां से फरार हो गया।

युवक ने फांसी लगा जान दी

बीकानेर, (कासं)। जिले में आत्महत्या के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शहर के सदर थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

जानकारी मिली है कि हनुमान हत्था निवासी 18 वर्षीय नीरज सिंह ने बीती रात को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। वहीं नोखा थानान्तर्गत रोड़ा गांव में विक्रम सिंह ने बबूल के पेड़ पर फांसी का फंदा लगा लिया। विक्रम ने 19 नवम्बर को यह खौफनाक कदम उठाया।

बीकानेर में सौर ऊर्जा से बनेगी 20 हजार मेगावाट बिजली

बीकानेर, (कासं)। जिले में सौर ऊर्जा से 20 हजार मेगावाट बिजली बनेगी। बीकानेर को सोलर हब बनाने में बाहरी कंपनियों के इन्वेस्टमेंट को देखते हुए अब स्थानीय कंपनियां भी मैदान में उतर गई हैं।

सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन को देखते हुए राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम नए जीएसएस लगाने की योजना बना रहा है। इससे बीकानेर जिले में सोलर ऊर्जा का बेहतर तरीके से ट्रांसमिशन किया जा सकेगा। पूगल, गजनेर, कोलायत, छत्तरगढ़ सहित अनेक स्थानों पर तेजी से सोलर प्लांट लग रहे हैं। जिससे क्षेत्र किसानों को बंजर जमीन के दाम मिलने लगे हैं और डवलपमेंट के साथ ही रोजगार भी मिल रहा है।

सोलर हब बन रहे बीकानेर में अभी 4504 मेगावाट बिजली बन रही है। 5190 मेगावाट की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। इसके अलावा 10,000 मेगावाट से ज्यादा के एमओयू हो चुके हैं। खास बात है कि एमओयू करने वाली ज्यादातर कंपनियां बीकानेर की ही हैं।

तेज गर्मी और सूरज की चमचमाती धूप बीकानेर जिले को सोलर हब बनाने में वरदान साबित हो रही है। बीकानेर में 365 में से 325 सनी डेज माने जाते हैं। इसे देखते हुए सौर ऊर्जा से बिजली बनाने वाली कंपनियों ने अब जोधपुर, जैसलमेर के बाद बीकानेर का रूख कर लिया है। यहां की तेज धूप और सस्ती दरों पर उपलब्ध जमीनों के कारण अडानी, अंबानी, टाटा, महिन्द्रा जैसे बड़े ग्रुप सोलर प्लांट लगाने की तैयारी में हैं।

वर्तमान में बीकानेर में छोटे-बड़े 70 से ज्यादा प्लांट लग चुके हैं, जिससे 4504 मेगावाट बिजली बन रही है।

संवेदनशीलता के साथ करें आमजन की समस्याओं का निस्तारण : कलेक्टर

■ कलेक्टर ने जन सुनवाई में 95 प्रकरण सुने

गंगानगर कलेक्टर डॉ. मंजू ने जिला स्तरीय जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनी।

श्रीगंगानगर, (कासं)। राजस्थान सरकार द्वारा जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई और जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक गुरूवार को कलेक्ट्रेट के वीसी रूम में हुई। इस दौरान कलेक्टर डॉ. मंजू ने जनसुनवाई करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी आमजन की समस्याओं का निस्तारण संवेदनशीलता के साथ करें। जनसुनवाई में 95 प्रकरण आये।

जनसुनवाई के दौरान सूरतगढ़ निवासी परिवादी द्वारा स्वीकृत सिंचाई खाले में रास्ता नहीं देने के प्रकरण में कार्यवाही के लिये सूरतगढ़ तहसीलदार को मौका मुआयना कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश देते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम व सिंचाई विभाग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए परिवादी को रास्ता दिलवाया जाये। पदमपुर-गजसिंहपुर स्थित 31 बीबी में सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त की शिकायत पर जिला कलेक्टर ने जल्द पेचवर्क करवाने के लिये एसई पीडब्लयूडी, आवारा पशुओं, कचरा निस्तारण और नालियों की सफाई के लिये ईओ गजसिंहपुर को निर्देश दिये।

इसी तरह साधुवाली ग्राम पंचायत में अतिक्रमण हटाने के लिये एसडीएम गंगानगर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के चयन प्रकरण में कार्यवाही के लिये नगर परिषद आयुक्त, भूमि आवंटन प्रकरण में जांच के लिये सूरतगढ़ एडीएम, पदमपुर के 17 बीबी में अवैध साइफन हटाने के लिये एसडीएम पदमपुर, 7एफबी के सरकारी खाले में खारा पानी डालने के प्रकरण में कार्यवाही के लिये एसडीएम श्रीकरणपुर, 37पीटीपी के खाला पर आड़ बनाने के प्रकरण में कार्यवाही के लिये एसडीएम सादुलशहर, किशनपुरा आबादी में पट्टा प्रकरण में सूरतगढ़ बीडीओ, मन्नीवाली निवासी परिवादी द्वारा पीएम आवास योजना का लाभ देने के प्रकरण में कार्यवाही के लिये जिला परिषद सीईओ और परिवादी द्वारा कृषि कनेक्शन जारी करने की मांग पर कार्यवाही के लिये एसई डिस्कॉम को निर्देशित किया। जनसुनवाई और जिला सतर्कता समिति की बैठक में कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाये।

शिवराज छंगाणी साहित्य, शिक्षा एवं संस्कृति के मौन साधक थे : रंगा

हिन्दी के साहित्यकार कीर्तिशेष शिवराज छंगाणी के जन्म दिवस पर कार्यक्रम को वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थानी, हिन्दी के महान् साहित्यकार कीर्तिशेष शिवराज छंगाणी के 86वें जन्म दिवस पर राजस्थानी युवा लेखक संघ एवं प्रज्ञालय संस्थान द्वारा स्थानीय नत्थूसर गेट बाहर स्थित लक्ष्मीनारायण रंगा सृजन-सदन में उनकी स्मृति में नमन-स्मरण कार्यक्रम का आयोजन आज दोपहर किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ जनकवि एवं शिक्षाविद् विशन मतवाला ने कहा कि कीर्तिशेष शिवराज छंगाणी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। साथ ही वे अजातशत्रु थे। इस अवसर पर मतवाला ने छंगाणी जी की साहित्यिक यात्रा के महत्वपूर्ण प्रसंग साझा करते हुए कहा कि वह गंभीर शिक्षाविद् भी थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृतिकर्मी एन.डी. रंगा ने उनके प्रेरणादायक व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए उनके साथ शिक्षा जगत में बिताये अनछुए प्रसंग साझा करते हुए कहा कि मेरे जीवन पर उनका गहरा प्रभाव रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने कहा कि कीर्तिशेष छंगाणी मौन साधक रहते हुए शिक्षा, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में अपनी समर्पित भाव की सेवाएं जीवनपर्यन्त देते रहे। रंगा ने आगे कहा कि उन्होंने राजस्थानी गद्य की रेखाचित्र एवं संस्मरण विधा को ऊंचाईयां प्रदान कर उल्लेखनीय काम किया। अपनी शब्दांजलि देते हुए कवि गोपाल व्यास ने उन्हें आदर्श शिक्षक बताया तो समाजसेवी सत्यनारायण छंगाणी ने उन्हें राजस्थानी का सच्चा सपूत कहा।